



Hargharpanditji

॥ मंगलवार व्रत का ज्योतिषीय कारण ॥
॥ ॐ ऐं श्रीम हनुमते श्रीरामदूताय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ मंगलवार व्रत का ज्योतिषीय कारण ॥

वैदिक ज्योतिष में मंगलवार का संबंध मंगल ग्रह (भौम, कुज, अंगारक) से माना गया है। मंगल ग्रह साहस, पराक्रम, ऊर्जा, भूमि, रक्त, नेतृत्व, अनुशासन और कर्मशक्ति का कारक माना जाता है। मंगलवार का व्रत, मंत्र-जप, दान और पूजा मंगल ग्रह के शुभ प्रभाव को बढ़ाने तथा उसके अशुभ प्रभावों को कम करने की भावना से किया जाता है।

1. मंगल ग्रह को प्रसन्न करने के लिए

यदि जन्मकुंडली में मंगल शुभ स्थिति में हो, तो वह साहस, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, भूमि-संपत्ति, प्रशासनिक सफलता और निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करता है। मंगलवार का व्रत इन शुभ गुणों की वृद्धि की कामना से किया जाता है।

2. अशुभ मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए

यदि कुंडली में मंगल कमजोर, नीचस्थ या प्रतिकूल भाव में स्थित हो अथवा अन्य ग्रहों से पीड़ित हो, तो ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार व्यक्ति को क्रोध, विवाद, दुर्घटना, रक्त संबंधी समस्याएँ, संपत्ति विवाद या कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। मंगलवार का व्रत, मंगल मंत्र का जप और दान इन दुष्प्रभावों की शांति के लिए किया जाता है।

3. मांगलिक दोष की शांति

वैदिक ज्योतिष में यदि मंगल कुछ विशेष भावों में स्थित हो, तो उसे मांगलिक दोष कहा जाता है। ऐसी स्थिति में विवाह में विलंब या दांपत्य जीवन में चुनौतियों की संभावना का उल्लेख पारंपरिक ज्योतिष में मिलता है। मंगलवार का व्रत, भगवान हनुमान की उपासना और मंगल ग्रह की

शांति के उपाय इस दोष की शांति के लिए किए जाते हैं।
ध्यान दें: आधुनिक ज्योतिष में मांगलिक दोष का प्रभाव कुंडली के समग्र विश्लेषण पर निर्भर माना जाता है। केवल एक योग के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है।

4. साहस और आत्मविश्वास की वृद्धि

मंगल ग्रह पराक्रम और वीरता का प्रतीक है। मंगलवार के व्रत और हनुमान उपासना से व्यक्ति में धैर्य, आत्मविश्वास और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित होने की धार्मिक मान्यता है।

5. भूमि, भवन और संपत्ति से संबंधित कार्य

मंगल ग्रह का संबंध भूमि, भवन, निर्माण और अचल संपत्ति से माना जाता है। इसलिए इन क्षेत्रों में सफलता और बाधा-निवारण की कामना से भी मंगलवार का व्रत किया जाता है।

6. ऋण और शत्रु बाधा से रक्षा

ज्योतिषीय परंपरा में मंगल को संघर्ष और विजय का ग्रह माना गया है। श्रद्धापूर्वक व्रत, हनुमान चालीसा का पाठ तथा मंगल मंत्र का जप शत्रु भय, ऋण और बाधाओं से रक्षा की प्रार्थना के रूप में किया जाता है।

7. स्वास्थ्य और ऊर्जा

मंगल ग्रह का संबंध रक्त, मांसपेशियों और शारीरिक ऊर्जा से जोड़ा जाता है। मंगलवार का व्रत संयम, सात्विक आहार और नियमित उपासना के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

मंगलवार को किए जाने वाले प्रमुख ज्योतिषीय उपाय

मंत्र जपः

ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः॥ (108 बार)

भगवान हनुमान की पूजा तथा हनुमान चालीसा का पाठ।

लाल चंदन, लाल पुष्प और लाल मसूर का दान।

गुड़ और चने का प्रसाद अर्पित करना।

बंदरों या जरूरतमंदों को भोजन कराना।

क्रोध, असत्य और हिंसा से बचने का संकल्प लेना।

महत्वपूर्ण दृष्टिकोण

ज्योतिषीय उपायों को आस्था और आत्मअनुशासन का माध्यम माना जाता है। इनके साथ-साथ सदाचार, परिश्रम, उचित निर्णय और सकारात्मक जीवनशैली भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल से संबंधित विशेष योग या दोष हो, तो योग्य वैदिक ज्योतिषी से संपूर्ण कुंडली का विश्लेषण कराकर ही व्यक्तिगत उपाय अपनाना उचित रहता है।

निष्कर्ष

मंगलवार व्रत का ज्योतिषीय आधार मंगल ग्रह की शुभता को बढ़ाना और उसके संभावित अशुभ प्रभावों की शांति की कामना करना है। साथ ही यह व्रत भगवान हनुमान की भक्ति के माध्यम से साहस, संयम, आत्मबल और धर्मनिष्ठ जीवन का संदेश देता है। श्रद्धा, नियम और सदाचार के साथ किया गया मंगलवार का व्रत आध्यात्मिक और ज्योतिषीय—दोनों दृष्टियों से शुभ माना जाता है।